News & Photo of Security Services National Dialogue for Senior Officers at Brahma Kumaris, Gyan Sarovar Academy, Mt. Abu, Rajasthan
Theme: "Inspirational Leadership" from 29th April to 2nd May 2107

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय की मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी जानकी ने कहा कि स्वयं को बुराइयों से सुरक्षित रखने की सबसे बड़ी चुनौती से निपटने को आध्यात्म की गहराई में जाना अनिवार्य है। जब तक स्वयं को मन से सकारात्मक बदलाव के लिए प्रेरित नहीं किया जाता, तब तक बाहरी सुरक्षा की सफलता में भी कठिनतम चुनौतियों का सामना करने को विवश होना पड़ता है।

वे शनिवार देर शाम ब्रह्माकुमारी संगठन के ज्ञान सरोवर अकादमी परिसर में संगठन के सुरक्षा प्रभाग की ओर से आयोजित समारोह के उद्घाटन सत्र को वीडियो कॉन्फरेंस के जरिए संबोधित कर रही थी। उन्होंने कहा कि आध्यात्मिकता के जरिए मानसिक रूप से कार्य करने की क्षमता बढ़ती है, जिससे विपरीत परिस्थितियों में भी लंबे समय तक कोई भी कार्य सुचारू रूप से करना संभव है।

पुलिस उपमहानिदेशक बीएल सोनी ने कहा कि देश के प्रत्येक नागरिक की प्रतिष्ठा की रक्षा करना ही सुरक्षा बलों की प्राथमिकता है। जनता को सेना के जवानों की परिस्थितियों को समझना चाहिए। जो विभिन्न त्योहारों पर अपने परिवार से दूर रहकर भी जनता की सुरक्षा को शांति कानून व्यवस्था बनाए रखने में तत्पर रहते हैं। जनता को अपने मूलभूत अधिकारों के साथ ही अपने कर्तव्यों के प्रति जागृत रहना चाहिए। ब्रह्माकुमारी संगठन की ओर से अध्यात्म के जरिए दिया जा रहा राजयोग का प्रशिक्षण तनावजन्य परिस्थितियों में हर सुरक्षाकर्मी के लिए जरूरी है।

तकनीकियों को सीखने की कोई सीमा नहीं

लेफ्टिनेंटजनरल आर. गोपाल ने कहा कि सुरक्षा की विभिन्न तकनीकियों को सीखने की कोई सीमा नहीं होती। कोई व्यक्ति स्वयं में सर्वगुण संपन्न नहीं हो सकता। इसलिए वहीं व्यक्ति अपने क्षेत्र में कुशलतापूर्वक सफलता की सभी बुलंदियों को पार कर पाता है, जो स्वयं को हर परिस्थिति में जिज्ञासु की भूमिका में स्थापित करने का अभ्यस्त हो। इस मौके सुरक्षा प्रभाग राष्ट्रीय संयोजिका शुक्ला बहन, प्रभाग अध्यक्ष अशोक गाबा, राजयोगिनी प्रभा बहन, कर्नल बीसी सती, कर्नल घोषाल और कर्नल शिव सिंह ने भी विचार व्यक्त किए।

माउंट आबू. ब्रह्माकुमारी संस्थान में आयोजित कार्यक्रम में मौजूद अतिथि।